समाजशास्त्र

SEM-III | MJC-4

Date:- 18/10/25

Topic :- महात्मा गाँधी : जीवन परिचय और सिद्धांत

महात्मा गाँधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उनके पिता करमचंद गाँधी राजकोट राज्य के दिवान थे और माता पुतलीबाई एक धार्मिक महिला थी। गाँधी जी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पोरबंदर और राजकोट में प्राप्त की।
बचपन से ही वे सादगी, सत्यनिष्ठा एवं धार्मिकता के प्रति आकर्षित थे। सन् 1887 ई० में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की और आगे की पढ़ाई के लिए लंदन चले गये, जहाँ से उन्होंने विधि (Law) की शिक्षा प्राप्त की।
1891 ई० में भारत लौटने के बाद उन्होंने वकालत शुरू की लेकिन अधिक सफल नहीं हुए। 1893 ई० में एक मुकदमे के सिलसिले में वे दक्षिण अफ्रिका गए, जहाँ भारतीय समुदाय पर हो रहे भेद-भाव ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। यहीं से उन्होंने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध सत्याग्रह और अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित आन्दोलन की शुरुआत की।
1915 में वे भारत लौटे और स्वतंत्रता-आन्दोलन में सक्रिय हुए। उन्होंने चम्पारण सत्याग्रह (1917), खेड़ा-सत्याग्रह (1918), असहयोग आन्दोलन (1920), नमक सत्याग्रह (1930), और भारत छोड़ो आन्दोलन (1942) जैसे अनेक आन्दोलनों का नेतृत्व किया।
गांधी जी ने 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता दिलाई, परंतु 30 जनवरी 1948 ई० में उनकी हत्या कर दी गई। गांधी जी को राष्ट्र-पिता के रूप में सम्मानित किया गया।

→ गाँधी जी के नैतिक सिद्धांत (Moral Principles) :-

गांधी जी के अनुसार राजनीति, समाज, और व्यक्तिगत जीवन सभी में नैतिकता का होना आवश्यक है। इनके सिद्धांत निम्नलिखित हैं :-

1. सत्य (Truth) :-
गाँधी जी का मानना था कि सत्य ही ईश्वर है। जीवन के हर क्षेत्र में सत्य को

Officer